इंदौर की टिश्यू कल्चर लैब से वानिकी को मिली नई ताकत

- बीज से आगे बढ़ा विज्ञान
- बांस की 4 प्रजातियों के संवर्धन से अब तक 1.12 लाख पौधे तैयार
- अब तक 31 लाख रुपए का राजस्व किया अर्जित

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोशल फॉरेस्ट्री सर्किल की प्लांट टिश्यू कल्चर लैब ने पारंपरिक बीज आधारित वानिकी के साथ वैज्ञानिक तकनीक को जोड़ते हुए प्रदेश में पौध उत्पादन की दिशा बदलनी शुरू कर दी है. वर्ष 2019 से अब तक यहां टिश्यू कल्चर से 1.12 लाख से अधिक बांस के पौधे तैयार कर वितरित किए जा चुके हैं, जिससे करीब 31 लाख रुपये का राजस्व अर्जित हुआ है.

इंदौर में संचालित यह प्रयोगशाला उन प्रजातियों के लिए वैज्ञानिक समाधान बनकर उभरी है, जहां बीज आधारित संवर्धन जैविक सीमाओं के कारण प्रभावी नहीं रह जाता. वन मंडलाधिकारी (सोशल फॉरेस्ट्री) प्रदीप मिश्रा ने नव भारत प्रतिनिधि को बताया कि टिश्यू कल्चर का उद्देश्य पारंपरिक व्यवस्था को हटाना नहीं,

बल्कि वहां सहारा देना है जहां प्राकृतिक रूप से बीज उपलब्धता बाधित होती है. उन्होंने बताया कि बांस में पुष्पन अनियमित होने से हर वर्ष बीज मिलना संभव नहीं होता, जिससे बड़े पैमाने पर पौध तैयार करना मुश्किल हो जाता है. इसी कारण प्रयोगशाला आधारित तकनीक से नियमित और गुणवत्तापूर्ण पौध उत्पादन संभव हुआ है.

बम्बूसा बाल्कोआ की मांग और उत्पादन सबसे अधिक : उन्होंने बताया कि इंदौर लैब में अब तक बम्बूसा बाल्कोआ, बम्बूसा बाम्बोस, बम्बूसा वल्गारिस और डेंड्रोकेलामस एस्पर के लिए मानकीकृत टिश्यू कल्चर प्रोटोकॉल विकसित किए जा चुके हैं, जिनमें बम्बूसा बाल्कोआ की मांग और उत्पादन सबसे अधिक रहा है. मिश्रा ने यह भी बताया कि बीज आधारित वानिकी आज भी उतनी ही जरूरी है, विशेषकर सागौन जैसी प्रजातियों में, जहां प्राकृतिक बीज प्रणाली मजबूत बनी हुई है.

दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों पर भी चल रहा अनुसंधान

श्री मिश्रा ने कहा कि बीज जैव विविधता और दीर्घकालिक अनुकूलन क्षमता देते हैं, जबकि टिश्यू कल्चर तेज उत्पादन और एकरूपता सुनिश्चित करता है. लैब में दुर्लभ और संकटग्रस्त प्रजातियों पर भी अनुसंधान जारी है, हालांकि वृक्षों का टिश्यू कल्चर एक लंबी वैज्ञानिक प्रक्रिया होने से इसमें समय लगता है. विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन के दौर में बीज और विज्ञान का संतुलित उपयोग ही भविष्य की टिकाऊ वानिकी का आधार बनेगा.

एक नजर में

छोटा अमरनाथ महादेव मंदिर में विशाल भंडारा

महू. छोटा अमरनाथ के नाम से प्रसिद्ध बड़ी जाम के बुरालिया गांव में स्थित महादेव मंदिर भक्तों की अगाध श्रद्धा का केंद्र है. पहाड़ी के तल में स्थित खोदरा ग्राम होने से इस स्थान का नाम खोदरा महादेव की गुफा पड़ गया. यूं तो यहां पूरे साल भक्तों का दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए आना लगा रहता है, लेकिन श्रावण के पूरे महीने और महाशिवरात्रि को यहां भारी भीड़ उमड़ती है. खास बात यह है कि यह मंदिर विंध्याचल पर्वत श्रृंखला की गोद में समाए हुए है. यहां करीब 300 से अधिक सीढ़ियों के सहारे भक्तों को प्रकृति की अनुपम छटा के साथ भगवान शिव के दर्शन होते हैं. महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यहां स्थानीय भक्तों द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की.

बामणिया कुंड वाटरफॉल में युवक की डूबने से मौत

महू. बड़गोंदा थाना क्षेत्र स्थित बामनिया कुंड वाटरफॉल में सोमवार दोपहर एक युवक की डूबने से मौत हो गई. मृतक की पहचान चंडीगढ़ निवासी 22 वर्षीय मयंक दुबे के रूप में हुई है. वह अपनी बहन वैष्णवी दुबे (28) और दोस्त अभिषेक कुमार (27) निवासी पंचकूला के साथ घूमने आया था. जानकारी के अनुसार, तीनों महाशिवरात्रि के अवसर पर ओंकारेश्वर भगवान के दर्शन करने आए थे. 12 फरवरी को उन्होंने मयंक का जन्मदिन भी मनाया था. दर्शन के बाद सोमवार सुबह वे महू के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की सैर पर निकले थे. वे पातालपानी, जाम गेट होते हुए बामनिया कुंड पहुंचे थे. बताया जाता है कि ऊपरी कुंड पर मयंक नहाने के लिए पानी में कूदा. उसने पहली बार मजाक में डूबने का नाटक किया, लेकिन दूसरी बार खोह के बीचों-बीच जाने के बाद वह गहराई में समा गया. उसके दोस्त अभिषेक ने उसे बचाने का प्रयास किया और अपनी टी-शर्ट पकड़ाई, लेकिन मयंक फिसलकर गहराई में चला गया. कई प्रयासों के बाद तीसरी कोशिश में लोगों की मदद से मयंक का शव बाहर निकाला जा सका. उसे तुरंत कार से मध्यभारत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है.

पारिवारिक विवाद में मां-बेटे से मारपीट

इंदौर. तेजाजी नगर थाना क्षेत्र के भावना नगर निवासी एक पारिवार में हुए विवाद ने उग्र रूप ले लिया. 17 वर्षीय अमन सिटोले ने पुलिस थाने पहुंचकर पुलिस को बताया कि उसकी मामी पूजा सोलंकी ने घर के सामने उसे और उसकी मां को गालियां दीं. विरोध करने पर पूजा ने अपने भाइयों सुरेश, लखन और श्याम को मौके पर बुला लिया. चारों आरोपियों ने मिलकर गाली-गलौज करते हुए अमन व उसकी मां के साथ मारपीट की. आरोप है कि श्याम ने पत्थर से अमन के सिर के बाएं हिस्से पर वार कर घायल कर दिया, जबकि सुरेश और लखन ने हाथ-मुक्कों से हमला कर उसकी बाईं कोहनी व दाहिने घुटने में चोट पहुंचाई. पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

अवैध हथियारों के साथ धराए दो बदमाश

इंदौर. अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत राऊ पुलिस ने एक ही दिन में दो अलग-अलग कार्रवाइयों में दो युवकों को गिरफ्तार किया. आरोपियों के कब्जे से दो देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और दो धारदार चाकू जब्त कर आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं. थाना प्रभारी राजपाल सिंह राठौर ने बताया कि पहली कार्रवाई में सिलिकॉन सिटी क्षेत्र की हैं, 25 वर्षीय रितेश मकवाना को पकड़ा, जिसके पास से मैगजीन में कारतूस लगी देशी पिस्टल और चाकू मिला. वहीं दूसरी कार्रवाई रात में एबी रोड बायपास सर्विस लेन से 22 वर्षीय सत्येंद्र पाल की गिरफ्तारी के साथ हुई, जिसके पास से भी इसी तरह के हथियार बरामद हुए. दोनों आरोपियों से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि हथियार कहां से लाए गए और उनका आपराधिक रिकॉर्ड क्या रहा है.

सूने मकान को चोरों ने बनाया निशाना

इंदौर. पलासिया क्षेत्र के मनोरमागंज में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया. यहां रहने वाले 35 वर्षीय फरियादी डॉ. पुलकित चतुर्वेदी ने पुलिस को बताया कि कोई अज्ञात आरोपी ने उनके घर का मुख्य ताला तोड़कर घुसा और घर में रखी अलमारी के लॉकर का ताला तोड़कर करीब 30 हजारनकद, आर्टिफिशियल ज्वेलरी तथा किचन में रखे बर्तन चुरा लिए. फरियादी ने देर रात रिपोर्ट दर्ज कराई. फरियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से तलाश शुरू कर की.

जमीन विवाद : घेरकर किया जानलेवा हमला

इंदौर. चन्द्रावतीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बीबीखेड़ी में देर रात विवाद ने हिंसक रूप ले लिया. खेत से जुड़े पुराने झगड़े को लेकर एक पक्ष ने एकमत होकर फरियादी पर जानलेवा हमला कर दिया. हमले में तलवार, बक्के और डंडों का खुलेआम इस्तेमाल होने से इलाके में दहशत फैल गई. प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीबीखेड़ी में रहने वाले 40 वर्षीय फरियादी जगदीश बैरागी ने पुलिस को बताया कि कनीराम के खेत के पास माताजी के ओटले पर भगवत, देवेंद्र, लक्की, भीम और सोम ने उसे घेर लिया. पहले गालियां दीं, फिर विवाद को लेकर जान से मारने की नीयत से तलवार व बक्कों से हमला कर दिया. हमलावरों ने डंडों से भी बेरहमी से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए. घटना की सूचना पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश में दबिश दे रही है, वहीं गांव में तनाव को देखते हुए निगरानी बढ़ा दी गई है. जगदीश को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया है.

एमबीए छात्रा की निर्मम हत्या के पीछे सामने आई खौफनाक कहानी

- छात्रा से शादी करना चाहता था, लेकिन चरित्र पर थी शंका, इसलिए कर दी हत्या
- छात्रा को मौत के घाट उतारकर तंत्र-मंत्र में उलझा आरोपी

इंदौर. एमबीए छात्रा की हत्या करने वाले आरोपी को इंदौर पुलिस मुंबई से गिरफ्तार कर इंदौर ले आई है और उससे पूछताछ की जा रही है. हत्या के बाद आरोपी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है. वह कोई गलत कदम न उठा ले, इसलिए पुलिस उस पर लगातार निगरानी रख रही है. आरोपी अब बार-बार छात्रा को याद कर रो रहा है. उसने पुलिस को बताया कि वह छात्रा से प्यार करता था और उससे शादी करना चाहता था, लेकिन उसे उसके चरित्र पर शंका थी.

छात्रा की निर्मम हत्या के पीछे प्रेम, शक और अंधविश्वास की खौफनाक कहानी सामने आई है. पुलिस पूछताछ में आरोपी पीयूष धामनोदिया ने कबूल किया कि वह छात्रा पर शक करता था और उसी

सनक में उसने पहले शादी का नाटक रचाया, फिर बेरहमी से उसकी जान ले ली. हत्या वाले दिन छात्रा के मोबाइल पर दूसरों की चैटिंग भी मिली थी, जिस बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था. आरोपी चाहता था कि छात्रा का एमबीए का कोर्स पूरा होने के बाद उसे अच्छी नौकरी लग जाए और फिर वह उससे शादी कर लेगा.

पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक पोस्टमार्टम में गला घोंटने और चाकू के घावों से मौत की पुष्टि हुई है. विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है. पुलिस अन्य पहलुओं की भी जांच कर रही है. पुलिस आरोपी के मोबाइल से वायरल वीडियो, चैट और डिजिटल साक्ष्य खंगाल रही है. दिल दहला देने वाली बात यह रही कि सरेंडर के बाद आरोपी अफसरों से यह पूछता रहा कि क्या वह अब भी पुलिस भर्ती की परीक्षा दे पाएगा. निर्मम हत्या के बावजूद उसके चेहरे पर पछतावे के बजाय भविष्य की चिंता झलक रही थी.

हत्या के बाद निकाली थी छात्रा की उंगली से अंगूठी

आरोपी ने मुंबई भागने से पहले इंदौर से एक नई सिम भी खरीद ली थी और अपना मोबाइल कमरे पर ही छोड़ दिया था. आरोपी ने हत्या के बाद छात्रा की उंगली से वह अंगूठी भी निकाल ली थी, जो उसने उसे गिफ्ट की थी. इसके अलावा वह भागते समय छात्रा का मोबाइल फोन और उसका आधार कार्ड भी ले गया था. जब उसने ऑनलाइन छात्रा का शव मिलने की खबर पढ़ी तो वह डर गया और छात्रा का मोबाइल फेंक कर ट्रेनों में यात्रा करने लगा.

छात्रा की आत्मा को वश में करने किया तंत्र-मंत्र

जांच में सामने आया कि हत्या से ठीक पहले आरोपी ने किराए के कमरे में दीया जलाकर छात्रा को मंगलसूत्र पहनाया और शादी का स्वांग रचाया. फिर आरोपी ने युवती से शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया था, लेकिन उसने बीमार होने का बहाना बनाकर इससे इनकार कर दिया. आरोपी नशा करने का भी आदी था, नशे में वह हैवान बन गया और हत्या के बाद छात्रा के शव के साथ दरिंदगी की. इसके बाद वह कमरे पर ताला लगाकर सीधे मुंबई के नालासोपारा इलाके के जंगलों में पहुंचा, जहां उसने सोशल मीडिया से सीखे तांत्रिक तरीकों से मृतका की फोटो, मंगलसूत्र और चूड़ियों के साथ अपने खून से नाम लिखकर आत्मा बुलाने की कोशिश की.

क्लीनिक में बिना डिग्री ग्लूकोज चढ़ाने का सनसनीखेज खुलासा

- फर्जी इलाज बना महिला की मौत की वजह!
- नियमों को ताक पर रख किया जा रहा था एलोपैथिक इलाज

इंदौर. जूनी इंदौर थाना क्षेत्र के खातीवाला टैंक स्थित हर्ष क्लीनिक में इलाज के नाम पर घोर लापरवाही और अवैध चिकित्सा गतिविधियों का सनसनीखेज मामला सामने आया है, दरअसल यहां इलाज कराने के बाद एक महिला की मौत हो गई. शिकायत पर पुलिस ने क्लीनिक संचालकों के खिलाफ गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. मामले ने निजी क्लीनिकों में चल रहे फर्जी इलाज के खतरनाक खेल को फिर से उजागर कर दिया है.

जूनी इंदौर थाना प्रभारी अनिल गुप्ता ने बताया कि बीजलपुर के मार्तण्ड नगर में रहने वाले 25 वर्षीय फरियादी रोहन चौहान ने पुलिस को बताया कि उसकी 40 वर्षीय मां मंजू चौहान को इलाज के लिए हर्ष क्लीनिक लेकर गया था. यहां डॉक्टर ज्ञान एस. पंजवानी के साथ श्रीचंद बागेजा नामक व्यक्ति क्लीनिक में दवा व सहायक का काम कर रहा था, जबकि उसके पास फार्मेसी से संबंधित कोई मान्य डिग्री या डिप्लोमा तक नहीं था. सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि श्रीचंद बागेजा न तो एलोपैथिक इलाज के लिए अधिकृत था और न ही दवाइयां देने का उसे कोई अधिकार था, इसके बावजूद उसने बिना डॉक्टर की अनुमति के मंजू चौहान को ग्लूकोज की बोतल चढ़ा दी. इसी अवैध और लापरवाह उपचार के बाद महिला की हालत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई. मामले में पुलिस ने प्रारंभिक जांच कर प्रकरण दर्ज किया है.

तेज रफ्तार डंपर ने साइकिल सवार फॉरेस्ट चौकीदार को टक्कर मारी

- पांच दिन चले इलाज के बाद अस्पताल में तोड़ा दम

इंदौर. खुड़ैल थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से वन विभाग के बुजुर्ग चौकीदार की दर्दनाक मौत हो गई. हादसा उस समय हुआ, जब वे ड्यूटी पूरी कर साइकिल से घर लौट रहे थे. गंभीर रूप से घायल चौकीदार को ग्रामीणों की मदद से तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां पांच दिन तक चले इलाज के बाद उन्होंने दम तोड़ दिया.

मृतक चौकीदार का नाम 73 वर्षीय शरीफ पिता बाबूलाल शाह निवासी ग्राम पिवडाय बताया गया है. घटना करीब पांच दिन पहले शाम के समय की है, जब शरीफ रोज की तरह ड्यूटी खत्म कर गांव लौट रहे थे. इसी दौरान पीछे से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भीषण थी कि वे उछलकर सड़क पर दूर जा गिरे और सिर सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं. घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने एंबुलेंस बुलाकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन हालत लगातार नाजुक बनी रही और अंततः उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है.

रिहैब सेंटर पहुंचे निजी कंपनी के डायरेक्टर की मौत

- हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका

इंदौर. लसूड़िया थाना क्षेत्र के महालक्ष्मी नगर स्थित एक रिहैब सेंटर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक इंफ्रास्टक्चर कंपनी के डायरेक्टर की सेंटर पहुंचने के महज दो घंटे के भीतर अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई. प्रारंभिक तौर पर डॉक्टरों ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया है, हालांकि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. बहरहाल, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

मृतक की पहचान 50 वर्षीय आयोग पिता रामकुमार पटेरिया निवासी शालीमार सुखलिया के रूप में हुई है. बताया गया है कि आयोग पिछले कुछ समय से

व्यवसायिक तनाव के चलते डिप्रेशन में थे और इसी कारण उन्हें नशे की लत लग गई थी. इससे छुटकारा पाने के लिए उन्होंने खुद पहल करते हुए रविवार शाम महालक्ष्मी नगर स्थित रिहैब सेंटर में भर्ती होना तय किया था. परिजनों के अनुसार सेंटर पहुंचने के करीब दो घंटे बाद ही उनकी हालत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद स्टॉफ उन्हें तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया.

रतलाम नगर निगम कमिश्नर रह चुके हैं आयोग के पिता

आयोग के पिता रामकुमार पटेरिया मध्य प्रदेश शासन में वरिष्ठ अधिकारी रह चुके हैं और रतलाम नगर निगम कमिश्नर सहित विदिशा के सरकारी अस्पताल में उच्च पदों पर सेवाएं दे चुके हैं. वर्तमान में वे बैतूल में निवासरत हैं. मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और इस बात की भी पड़ताल की जा रही है कि रिहैब सेंटर में भर्ती के दौरान उन्हें कोई दवा दी गई थी या अत्यधिक तनाव के कारण उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत की असल वजह स्पष्ट हो सकेगी.

एक नजर में — शहर में गंभीर स्वास्थ्य संकट के रूप में सामने आई है दूषित पानी की समस्या

कई साल से दूषित पानी की समस्या से जूझ रहे हैं वार्ड 44 के रहवासी

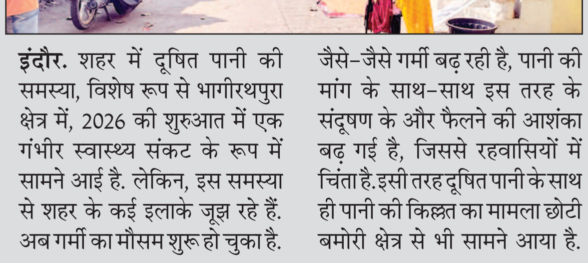

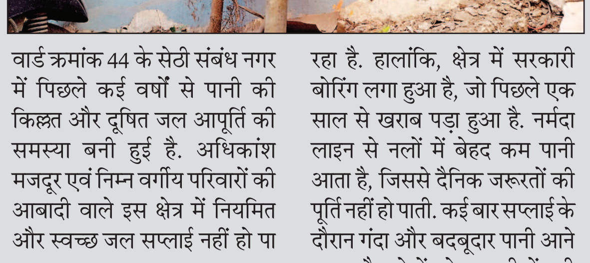

इंदौर. शहर में दूषित पानी की समस्या, विशेष रूप से भागीरथपुरा क्षेत्र में, 2026 की शुरुआत में एक गंभीर स्वास्थ्य संकट के रूप में सामने आई है. लेकिन, इस समस्या से शहर के कई इलाके जूझ रहे हैं. अब गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है. जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पानी की मांग के साथ-साथ इस तरह के संदूषण के और फैलने की आशंका बढ़ गई है, जिससे रहवासियों में चिंता है.इसी तरह दूषित पानी के साथ ही पानी की किल्लत का मामला छोटी बमोरी क्षेत्र से भी सामने आया है. वार्ड क्रमांक 44 के सेठी संबंध नगर में पिछले कई वर्षों से पानी की किल्लत और दूषित जल आपूर्ति की समस्या बनी हुई है. अधिकांश मजदूर एवं निम्न वर्गीय परिवारों की आबादी वाले इस क्षेत्र में नियमित और स्वच्छ जल सप्लाई नहीं हो पा रहा है. हालांकि, क्षेत्र में सरकारी बोरिंग लगा हुआ है, जो पिछले एक साल से खराब पड़ा हुआ है. नर्मदा लाइन से नलों में बेहद कम पानी आता है, जिससे दैनिक जरूरतों की पूर्ति नहीं हो पाती. कई बार सप्लाई के दौरान गंदा और बदबूदार पानी आने लगता है, लोगों को मजबूरी में वही पानी उपयोग करना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ रहे हैं. क्षेत्रवासियों ने पानी की कमी और दूषित जल की शिकायत कई बार स्थानीय पार्षद तथा नगर निगम के संबंधित झोन कार्यालय में दर्ज कराई, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया. रहवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि जल आपूर्ति व्यवस्था में सुधार कर स्वच्छ और पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जाए, ताकि उन्हें वर्षों पुरानी इस समस्या से राहत मिल सके.

यह बोले रहवासी...

नल में शुरू से ही गंदा पानी आने लगता है और जब साफ पानी आता है तो नल बंद हो जाते हैं. क्षेत्र में आने वाले दो कर्मचारियों को हमने शिकायत की थी, उसके बाद वह भी पलटकर नहीं आए.

- कमला बोरासी

पानी बहुत कम आता है, वह भी एक दिन छोड़कर. परिणामस्वरूप लोगों को इधर-उधर जाकर पानी भरना पड़ता है. लोग बहुत परेशानी उठाते आ रहे हैं. मेरे यहां तो पिछले पंद्रह दिनों से पानी आ ही नहीं रहा.

- राजू बाई

एक तो गंदा पानी, ऊपर से पानी कम आता है. क्षेत्र में जो बोरिंग है, वह पिछले वर्ष से ही बंद पड़ा हुआ है. अगर वह चालू हो जाए तो लोगों को कुछ राहत मिल सके.

- रेखा बाई

कांग्रेस ने भाजपा पर बोला हमला, मांगा स्पष्टीकरण

- उत्तम स्वामी पर राजस्थान की युवती ने लगाए हैं गंभीर आरोप

इंदौर. महामंडलेश्वर उत्तम स्वामी एक बार फिर विवादों के घेरे में हैं। राजस्थान की एक युवती द्वारा उन पर यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद सियासी गलियारे और आध्यात्मिक जगत में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर हमला बोला है।

महामंडलेश्वर व कथावाचक उत्तम स्वामी पर राजस्थान की युवती ने गंभीर आरोप लगाए हैं। रविवार को दिल्ली में पीड़िता के भाई को भी धमकियां दी गई। युवती ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को अपनी सुरक्षा को लेकर मेल भी किया है। इस मामले में अभी तक पुलिस की तरफ से कोई बयान नहीं आया है और न ही स्वामी के खिलाफ अभी थाने में प्रकरण दर्ज हुआ है, लेकिन कांग्रेस ने इस मामले में महामंडलेश्वर व उनसे जुड़े नेताओं को घेरना शुरू कर दिया है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने इसे लेकर एक पोस्ट की और स्पष्टीकरण मांगा है।

उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि परमपूज्य जगतगुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से उनके शंकराचार्य होने का प्रमाण मांगने वाले भाजपाई यह बताएं कि कथित व्यभिचारी आध्यात्मिक गुरु उत्तम स्वामी से भाजपा-संघ के किन-किन बड़े नेताओं, पदाधिकारियों से क्या-क्या व्यावसायिक संबंध हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अपने ही भक्त की बेटी से अपने ही आश्रम से लेकर कई महंगी-महंगी होटलों में स्वामी ने गलत हरकत की है। मिश्रा ने कहा कि व्यापमं महाघोटाले में भी मैंने ही इस व्यभिचारी का नाम प्रमाणों के साथ उजागर किया था। तब तत्कालीन शासकों ने इन्हें बचा लिया था। अब देखना होगा कि मौजूदा शासक इनके खिलाफ अपना संवैधानिक राजधर्म निभाते हैं या इनके कुप्रताप के भय, राजनीतिक संरक्षण के आगे आत्म समर्पण करते हैं।